Seventeenth Loksabha

an>

Title: Need to rename all the Central Institutes and Organisations in Allahabad, Uttar Pradesh after 'Prayagraj' -laid.

श्री विनोद कुमार सोनकर (कौशाम्बी): हिन्दू मान्यता है कि सृष्टिकर्ता भगवान ब्रह्मा ने सृष्टि कार्य पूर्ण होने के बाद सबसे प्रथम यज्ञ प्रयागराज में ही किया था । इसी प्रथम यज्ञ के 'प्र' और 'याग" यज्ञ की संधि द्वारा प्रयाग नाम बना । ऋग्वेद और पुराणों में भी इस स्थान का उल्लेख प्रयाग के रूप में ही किया गया है तथा हिन्दी भाषा में प्रयाग का शाब्दिक अर्थ 'नदियों का संगम' भी है और यही पर गंगा, यमुना और सरस्वती नदियों का संगम भी होता है ।

इन्हीं सब पौराणिक और धार्मिक तथ्यों को दृष्टिगत रखते हुये उ0 प्र0 सरकार ने 16 अक्तूबर, 2018 में इलाहाबाद का नाम बदलकर प्रयागराज किया है, लेकिन इलाहाबाद रेल्वे स्टेशन, इलाहाबाद विश्वविद्यालय और इलाहाबाद उच्च न्यायालया, आई० आई० आई० टी० इलाहाबाद सहित अन्य केन्द्रीय संस्थाओं का नाम अभी तक प्रयागराज नाम से नहीं किया गया है ।

अत: मेरा केंद्र सरकार से अनुरोध है की वह इलाहाबाद नाम से संबंधी सभी केन्द्रीय संस्थाओं के नाम इलाहाबाद के स्थान पर प्रयागराज किए जाने हेतु शीघ्र कार्यवाही करें ।